पौनी पसारी योजना

उद्देश्य -

परंपरागत व्यवसायों तथा छत्तीसगढ़ की स्थानीय संस्कृति एवं परंपराओं को जीवन्त करने एवं इससे स्थानीय लोगों तथा बेरोजगारों के लिए व्यवसाय के अवसरों का सृजन करने के लिए राज्य प्रवर्तित "पौनी पसारी योजना" नवीन परिवेश में सभी 166 नगरीय निकायों में प्रारंभ की गई है।

प्रारंभ- महात्मा गांधी की 150वीं जयंती दिनांक 02 अक्टूबर 2019 से

प्रावधान/ लाभ -

- इस योजना में असंगठित क्षेत्र के परंपरागत व्यवसाय करने हेतु इच्छुक व्यक्तियों एवं स्व–सहायता समूह की महिलाओं को कौशल उन्नयन उपरांत सघन शहरी क्षेत्रों में व्यवसाय हेतु दस रूपये प्रति दिवस के दैनिक शुल्क पर चबूतरा उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

- अद्यतन 92 नग पौनी–पसारी बाजारों के निर्माण कार्य हेतु कुल राशि 23.69 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। योजना के लिए आगामी दो वर्ष में 73 करोड़ रूपए से अधिक की राशि खर्च करने का लक्ष्य रखा है।
- पौनी पसारी के मानक डिजाइन अनुसार प्रति बाजार परिसर में 15 बड़े चबूतरे उपलब्ध रहेंगे, जिन पर लगभग 90 लोग अपना व्यवसाय कर सकेंगे। योजना के तहत 12 हजार से अधिक परिवारों को रोजगार मिल सकेगा।